गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

SI न्यूज़

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक: 38 | गोरखपुर रविवार 09 मार्च 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

फूड प्लाजा की तरह प्रदेश में सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ करें अस्पताल की व्यवस्था: मुख्यमंत्री

- सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर सड़क दुर्घटनाओं को करें नियंत्रित: मुख्यमंत्री
- डग्गामार वाहनों एवं ओवरलेडेड ट्रकों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें:मुख्यमंत्री
- एक्सप्रेस-वे एवं हाइवे के किनारे शराब की दुकानें बिल्कुल न हो: मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री का निर्देश, नाबालिग बच्चों के हाथ में न हो ई-रिक्शा की कमान

मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक ली

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक ली। इस दौरान संबंधित विभागों के मंत्री, शासन स्तर के अधिकारी, सभी मंडलों के मंडलायुक्त, सभी जनपदों के जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर एवं पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में 46052 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें 34600 लोग घायल हुए हैं, जबकि 24 हजार से अधिक मौतें हुई हैं, जो कि अत्यंत दुखद है। इसे हर हाल में न्यूनतम करना होगा। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करें। साथ ही प्रदेश के सभी मार्गों पर ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर उन्हें ठीक कराएं मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों के उपचार के विषय में चिंता करते हुए कहा कि सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की व्यवस्था करें। साथ ही सभी मंडल मुख्यालयों के अस्पतालों में ट्रामा सेंटर, एंबुलेंस एवं ट्रेंड की स्टाफ को तैनाती भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के 75 जनपदों हुई दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा 20 जनपदों- हरदोई, मथुरा, आगरा, लखनऊ, बुलन्दशहर, कानपुर नगर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ और बिजनौर में जनहानि हुई है।

मजबूती से लड़ेंगे और जीतेंगे 2027 का विधानसभा चुनाव: भूपेश बघेल

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव होने में अभी दो साल का वक्त है। लेकिन, कांग्रेस ने अभी से जीत का दावा शुरू कर दिया है। दरअसल, 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल शनिवार को चंडीगढ़ पहुंचे थे। यहां उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात की।भूपेश बघेल ने इस दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की। भूपेश बघेल ने कहा कि यहां मुख्य बात यह है कि पार्टी कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है और हमें इस उत्साह आगे लेकर जाना है।

सूटकेस में मिला कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल का शव

पुलिस ने जांच के लिए पांच टीमें गठित कीं

- सांपला थाना निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा, 'हमें कल सुबह सूचना मिली थी कि बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में एक लड़की की लाश मिली है। लड़की की पहचान हो गई है और मामला दर्ज कर लिया गया है। हमारी चार टीमें इस पर काम कर रही हैं।'

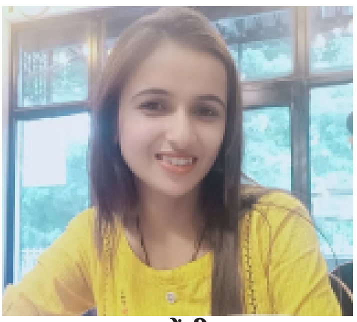

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के रोहतक में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की निर्मम हत्या से जिले में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इसके लिए पुलिस ने पांच टीमें गठित की हैं। इस बीच कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। बता दें, हिमानी का शव शनिवार को सांपला बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में मिला था। पुलिस ने बताया कि कुछ राहगीरों ने सूटकेस देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी थी।सांपला थाना निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा, 'हमें कल सुबह सूचना मिली थी कि बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में एक लड़की की लाश मिली है। लड़की की पहचान हो गई है और मामला दर्ज कर लिया गया है। हमारी चार टीमें इस पर काम कर रही हैं। हम जल्द ही इस मामले का खुलासा करेंगे। आज पोस्टमार्टम किया जाएगा। हम मामले की जांच कर रहे हैं। हमें इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं दिखता लेकिन हम अपना काम कर रहे हैं।'पुलिस ने बताया कि पीड़िता के गले में दुपट्टा बंधा हुआ था और उसके हाथों में मेहंदी लगी हुई थी।

महाकुंभ में शामिल न होने पर उद्धव से सवाल पूछने को लेकर संजय राउत ने शिंदे की आलोचना की

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने प्रयागराज में हाल में संपन्न हुए महाकुंभ में उद्धव ठाकरे के स्नान नहीं करने पर सवाल उठाने को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर रविवार को निशाना साधा। राउत ने संवाददाताओं से बात करते हुए शिंदे की राजनीतिक सूझबूझ की भी आलोचना की और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उपमुख्यमंत्री को सवाल पूछने का प्रशिक्षण देना चाहिए। राज्यसभा सदस्य ने दावा किया कि शिंदे की गलतियों के कारण उद्धव ठाकरे से ज्यादा भाजपा और उसके नेता बेनकाब हो रहे हैं। शिंदे नीत शिवसेना राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा है। महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित किया गया था।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे बिहार का चुनाव और दर्ज करेंगे ऐतिहासिक जीत : चिराग पासवान

एजेंसी

हाजीपुर। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को अपने लोकसभा क्षेत्र हाजीपुर में मीडिया से बात करते हुए आगामी बिहार चुनाव पर बात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम चुनाव लड़ेंगे। इस बार की जीत ऐतिहासिक होगी।चिराग पासवान ने दावा किया कि एनडीए बिहार चुनाव में 225 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करके एक बार फिर से सरकार बनाने जा रही है।

सम्पादकीय...

फ्लाप फिल्में, कायम निर्देशन का मोह

फिल्म जगत में समय-समय पर कई एक्टर्स ने डायरेक्टर के तौर पर भी महारत हासिल की। लेकिन कुछ अभिनेता निर्देशन में सफल नहीं रहे। यह सिलसिला बॉलीवुड की शुरुआत से जारी है। आज के समय में भी अजय देवगन, नंदिता दास, हेमा मालिनी, नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर व पूजा भट्ट आदि ऐसे कई एक्टर हैं, जिनकी फिल्में फ्लॉप हुई, पर डायरेक्शन से मोहभंग नहीं हुआ।एक अरसे से अस्वस्थ चल रहे राकेश रोशन अपने महत्वाकांक्षी फ्रेंचाइजी प्रोजेक्ट कृष-4 को फिर से जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर एक्टर से बने एक और निर्देशक सोनू की फिल्म फतेह को पहले शो में ही दर्शकों ने प्रतिसाद नहीं दिया। वहीं अजय देवगन लगातार फ्लॉप बना रहे हैं, मगर निर्देशक बनने की इच्छा बदस्तूर कायम है। अजय देवगन की बात जाने दें, तो नंदिता दास, रेवती, सनी देओल, हेमा मालिनी, नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर, पंकज कपूर, रजत कपूर, पूजा भट्ट आदि ऐसे कई एक्टर हैं, जिनका कई फ्लॉप के बावजूद डायरेक्शन से मोहभंग नहीं हुआ। इनमें अजय देवगन कई अतार्किक फिल्में बनाने के बावजूद मशहूर हैं। भोला की विफलता भूलकर वह फिर से मैदान में हैं। वहीं फिल्म जविगाटों की महाफ्लॉप के बावजूद एक्ट्रेस नंदिता दास अगली फिल्म की तैयारी कर रही हैं। इन एक्टर्स से हटकर देखें, तो गुरुदत्त, राज कपूर, सुनील दत्त, मनोज कुमार, फिरोज खान, सुभाष घई, राकेश रोशन, शेखर कपूर, आशुतोष गोवारिकर, अभिषेक कपूर आदि ऐसे कई एक्टर हैं, जो बतौर निर्देशक बहुत सफल रहे। एक्टर से निर्देशक बने शख्सियत की कोई भी चर्चा राज कपूर और गुरुदत्त के बिना अधूरी है। डायरेक्टर राजकुमार हिरानी कहते हैं, गुरुदत्त और राज कपूर इंडस्ट्री के दो नायाब डायरेक्टर हैं । आनेवाली पीढ़ी यदि उनकी निर्देशन प्रतिभा से कुछ सीखती है, तो फिल्मों के लिए शुभ संकेत होगा। देव आनंद, सुनील दत्त और मनोज कुमार में मनोज कुमार ही ऐसे डायरेक्टर रहे, जिन्होंने निर्देशन में परचम लहराया। पहले 1964 की फिल्म शहीद में उनकी योग्यता सामने आई व 1967 की फिल्म उपकार से वह पूरी तरह निर्देशक बने। इस फिल्म में ओ मेरे देश की धरती३ गाते हुए जादू चलाया। फिर तो पूरब और पश्चिम, रोटी, कपड़ा और मकान, क्रांति जैसी फिल्मों ने उन्हें दिग्गज निर्देशकों में ला दिया। जूनियर शोमैन सुभाष घई मुंबई आए, तो नाटक, उमंग, आराधना, तकदीर जैसी आधे दर्जन से ज्यादा फिल्मों में नायक-सहनायक बने। पर एक्टिंग का दरवाजा नहीं खुला। फिर फिल्मों में कहानी लिखने लगे। कालीचरण के लेखन और निर्देशन का काम उन्हें मिला। उसके बाद घई अब तक 16 फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं, ज्यादातर सुपरहिट रही। विश्वनाथ, हीरो, गौतम गोविंदा, कर्ज, राम लखन, खलनायक जैसी उनकी कई फिल्में नए निर्देशकों के लिए प्रेरणा हैं। इस प्रसंग में देव आनंद और उनके अनुज विजय आनंद की चर्चा लाजमी है। इन दोनों को ही एक्टिंग का शौक था, मगर इनमें देव साब बहुत-बहुत आगे निकल गए। लेकिन डायरेक्शन में बाजी विजय आनंद के हाथ लगी। विजय आनंद ने गाइड, ज्वैल थीफ, तेरे मेरे सपने, जॉनी मेरा नाम जैसी फिल्में बनाकर परचम लहराया, मगर देव साहब की एकमात्र फिल्म हरे राम हरे कृष्ण को याद किया जाता है।

राशिफल

मेषः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला-जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

वृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्कः- भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का ठीक ढंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी। आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- छोटी-छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे-संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

तुलाः- वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्ठा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

धनुः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः- कोई छोटी बात भी परिवार कें तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगी। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी।

पाकिस्तान की तरह बबार्दी की ओर बढ़ता बांग्लादेश

ललित गर्ग

कहते है कि जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की तरफ भागता है भले ही यह एक मुहावरा है लेकिन बांग्लादेश पर खरा उतर रहा है, इसका मतलब है कि बांग्लादेश मुसीबत रूपी पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ा रहा है। 30 लाख बांग्लादेशी लोगों की हत्या करने वाला पाकिस्तान अब दोस्त बन गया है और हर तरह से मदद करने वाला भारत दुश्मन। बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है और भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा। भारत से पंगा बांग्लादेश को महंगा पड़ेगा। अब अगर बांग्लादेश ने तय ही कर लिया है कि भारत से संबंध खराब करने की हर कीमत चुकाने के लिए तैयार है तो कुछ भी कहना बेमानी है। जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान की राह पर चलने की ठान ही ली है, तो उनके दुष्परिणाम भी उसे ही भुगतने होंगे। बांग्लादेश के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे है। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है। दरअसल, शेख हसीना की विदाई के साथ वहां जिस तरह से राजनीतिक अस्थिरता एवं अराजकता बढ़ी है, उसका नुकसान पूरे देश को हो रहा है। न सिर्फ निवेश पर प्रभाव पड़ा है, विदेशी संबंध भी चरमरा रहे हैं, आर्थिक गिरावट तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे देश के साथ सामान्य व्यापार और ढांचागत विकास संबंधी योजनाओं में भी रुकावटें पैदा हुई हैं। बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आ रहा है, उसका अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर भी ऐसा ही रवैया है, जिस बारे में वह भले ही अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका साफ है। बांग्लादेश से हाल ही में आई रिपोर्ट चिंताजनक हैं। चल रहे राजनीतिक संकट और राज्य पुलिस की गिरावट ने अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिंदुओं पर लक्षित हमलों के लिए अनुकूल स्थिति पैदा कर दी है। 1947 से, हिंदू आबादी 30 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत से भी कम हो गई है। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद से स्थिति और खराब हो गई है, जो 2009 से सत्ता में थी। यह संकट पूर्वी पाकिस्तान और आधुनिक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रत्यक्ष और गुप्त नरसंहार के लंबे इतिहास को दशार्ता है। मंदिरों और

पवित्र स्थलों पर 200 से अधिक कथित हमलों सहित वर्तमान हिंसा एक बड़े, निरंतर कट्टरतावादी अभियान का हिस्सा है। हालिया संकट, जो जुलाई 2024 में कथित छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ था, उसकी गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं और यह दशकों से बढ़ते मुस्लिम कट्टता से जुड़े तनावों को दर्शाता है। भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। आज कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडरा रहा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम हो रही है और भारत से टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के ऐसे हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं।

कुछ खास...

जैव विविधता बचाने को हो वन्य जीवों का संरक्षण

के.पी. सिंह

वन्यजीव संरक्षण सिर्फ मानव जीवन की गुणवत्ता के लिए ही नहीं बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए भी जरूरी है। हर साल 3 मार्च को मनाये जाने वाले विश्व वन्यजीव दिवस की इस बार थीम है, वन्यजीव संरक्षण वित्त लोगों और ग्रह में निवेश। वास्तव में इसका मतलब वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण हेतु आर्थिक संसाधनों का प्रबंध करना है ताकि न केवल जैव विविधता की रक्षा हो सके बल्कि इसका लाभ समाज और समूची धरती को भी मिले। इस थीम के बहुत गहरे मायने हैं। अगर वन्यजीवों और उनकी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए वन्यजीवन पर आर्थिक निवेश नहीं किया गया, तो दुनिया की एक बहुत बड़ी आबादी भी विकास से वंचित हो जायेगी।वन्यजीव संरक्षण पर किये गये निवेश से जनजातीय समुदाय तो लाभान्वित तो है ही, इको टूरिज्म, वैकल्पिक रोजगार और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग स्थानीय लोगों के जीवनस्तर को बेहतर बनाता है। हालांकि यह भी जानना जरूरी है कि वन्यजीव संरक्षण दिवस जनजातीय समुदायों के विकास के लिए नहीं मनाया जाता बल्कि इसे मनाये जाने के पीछे लगातार वन्यजीवों का विनाश है। हर साल 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाने का मकसद वन्यजीवों और वनस्पतियों के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाना और लोगों के मन में वन्यजीवन के प्रति सम्मान पैदा करना है। वैसे हर साल की अलग थीम के अलावा वन्यजीव दिवस मनाये जाने की जो स्थानीय थीम है, उसका मकसद वन्यजीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। जाहिर है ये जागरूकता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधनों की भी जरूरत है। इसलिए विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस के दिन तमाम वित्तीय संगठन, विभिन्न सरकारें, नागरिक समाज और कार्पोरेट जगत मिलकर इन संसाधनों के जुटाने पर विचार विमर्श करता है। इस साल विशेष रूप से सही थीम है कि दुनियाभर के वन्यजीव को बचाने के लिए जिस व्यापक पैमाने पर वित्त की जरूरत है, उसकी व्यवस्था कब, कैसे और कहां से हो। जब वन्यजीव संरक्षण पर निवेश की बात होती है तो स्पष्ट कर दिया जाता है कि इसका मतलब स्थानीय समुदायों को संसाधनों से बेहतर बनाना है। अगर वन्यजीव संरक्षण पर निवेश होता है तो धरती में पारिस्थितिकी के संतुलन की उम्मीद की जा सकती है वर्ना वन्यजीव के निरंतर विनाश से जलवायु परिवर्तन के बेलगाम होने और प्राकृतिक आपदाओं की बाढ़ आना भी तय है। इसलिए वन्यजीवन बचाने के लिए किये गये निवेश को धरती को बचाने के लिए किया गया निवेश कहते हैं।अगर वन्यजीव संरक्षण के लिए निवेश किया गया तो पारिस्थितिकी संतुलन भी मजबूत होगा, जलवायु परिवर्तन में रोक लगेगी, प्राकृतिक आपदाओं में कमी आयेगी और पारिस्थितिक सेवाएं जैसे स्वच्छ जल, हवा आदि को भी संरक्षण मिलेगा, जो कि न सिर्फ मानव जीवन को स्वस्थ बनाये रखने के लिए बल्कि इसे संरक्षण देने के लिए भी जरूरी है। वन्यजीव पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। यह खाद्य श्रृंखला को संतुलित रखते हैं और प्राकृतिक चक्रों जैसे कार्बन और नाइट्रोजन चक्र को सुचारू रूप से चलाने में मददगार होते हैं। इसलिए किसी भी जीव प्रजाति के विलुप्त होने का असर इंसानों के जीवन के लिए बढ़ते खतरे के रूप में होता है। क्योंकि प्रकृति से कोई भी जीव प्रजाति जब लुप्त होती है, तो उस स्तर का असंतुलन पैदा होता है और इससे समूचे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ता है।

गोरखपुर की संजना और शुभि ने किया यूपी वॉरियर्स का कैंप

नीना थापा क्रिकेट एकेडमी कि खिलाड़ी संजना अंबेडकर और सुरभि भट्ट ने यूपी वॉरियर्स - चार कदम आगे क्रिकेट कैंप किया। आईटीसी आशीर्वाद और यूपी वॉरियर्स के सहयोग से उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में आयोजित शिविर में से युवा महिला क्रिकेटरों को 22 खिलाड़ियों को इकाना स्टेडियम लखनऊ में आयोजित कैंप करने का मौका मिला। यूपी वॉरियर्स के कोच और अन्य कोचिंग स्टाफ कि तरफ से खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। और यूपी वॉरियर्स के सभी खिलाड़ियों के साथ प्रैक्टिस किया जिसमें नेशनल और इंटरनेशनल खिलाड़ी मौजूद रहे। जैसे दीप्ति शर्मा ,सोफी एक्सेलटन ,राजेश्वरी गायकवाड़ और अन्य महिला खिलाड़ी रहे। संजना अंबेडकर और शुभि भट्ट हॉक स्पोर्ट्स और नीना थापा क्रिकेट एकेडमी में प्रैक्टिस करती हैं। और शुभि भट्ट नीना थापा इंटर कॉलेज स्कूल कि छात्रा है उनकी इस उपलब्धि से स्कूल में अन्य बालिकाओं को प्रेरणा मिलेगी। नीना थापा इंटर कॉलेज की प्रबंधक श्रीमती सीमा श्रीवास्तव, प्रबंध समिति सदस्य रामायण जी श्रीवास्तव, नीना थापा इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री के. के. श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव, सभी ने शुभि भट्ट और संजना अंबेडकर को बहुत-बहुत बधाई एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। कोच प्रभात गौंड ने बताया कि संजना और शुभि दोनों ही खिलाड़ियों में बहुत प्रतिभा है वह आगे चलकर एक बेहतर खिलाड़ी बनेंगी। और भविष्य में देश के लिए भी प्रतिभाग कर सकती हैं।

प्रकृति से मिलन ,स्वयं से मिलन : अनूप श्रीवास्तव

गोरखपुर। हमारी पृथ्वी और हमारी प्रकृति ईश्वर द्वारा इस ज्ञात ब्रह्माण्ड में बनाई गई मनुष्य को सबसे अनूठी और सुंदरतम देन है,जिससे हम हर तरफ से लाभान्वित और परिपोषित होते है। प्रकृति से ना केवल हमारा अस्तित्व है बल्कि प्रकृति हमे माता के रूप में हमे पोषित और ममत्व भाव से वैसे ही रखती है जैसे हमारी माताएं,अब यह ममत्व कभी औषधियों,प्राण प्रदायिनी वायु हो अथवा सकल भौतिक वस्तुएं हों अथवा पर्यावरण हो,हम सभी जीवित प्राणियों को प्रकृति ने कुछ न कुछ प्रदान किया है अब इस प्रक्रम में हमें भी अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए सारी समस्याओं के बावजूद वही देखभाल वात्सल्य और पोषण इस प्रकृति को वापस देना होगा,जिससे यह प्रकृति उसी रूप के वापस लौट सके जिससे यह पुनः पोषित वात्सल्य रूप में पोषित और प्राण प्रदायिनी बन सके। इस हेतु हमे व्यापक स्तर पर पौध रोपण उन पौधों की 5 फुट तक बड़े होने तक देख भाल जन जागरूकता और प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना विभिन्न ज्ञात माध्यमों से विस्तारित की जाए,तो आज की जो भी परेशानियां है चाहे वह प्रदूषण हो या बढ़ती पोषण की कमी सभी से आसानी से निपटा जा सकता है,बस हमे कृतज्ञता का भाव जगाना है तथा प्रकृति को कुछ प्रदान करने का भाव अपने मन में लाना होगा।यही एक मात्र उपाय है क्योंकि प्रकृति वह गुण है जिससे यह स्वयं व्यवस्थित करने में सक्षम होती है।

पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

गोरखपुर। सनराइज सेवा संस्थान ट्रस्ट और नेचुरल रिसोर्सेज सस्टेनेबिलिटी फाउंडेशन एवं सेंट जोसेफ कॉलेज फॉर वीमेन के संयुक्त तत्वाधान में "पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सेंट जोसफ कॉलेज फॉर वीमेन में किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर राजश्री गौर, बायोटेक्नोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष, गोरखपुर विश्वविद्यालय, और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार मिश्रा, कुलपति, सिक्किम स्किल यूनिवर्सिटी, उपस्थित रहे प्रोफेसर राजश्री गौर ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया और उन्हें पौधारोपण करने, अपने आसपास साफ-सफाई रखने और लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे आने वाले समय के पर्यावरण प्रहरी हैं और उन्हें पृथ्वी की रक्षा के लिए जल संरक्षण, वन संरक्षण और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के प्रति सजग रहना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि समय-समय पर पौधारोपण करना चाहिए ताकि पर्यावरण को हरा-भरा बनाया जा सके। कॉलेज के प्राचार्य फादर रोजर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया और छात्रों को प्रकृति के साथ जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रतिमा विश्वकर्मा ने किया। कार्यशाला से पहले एक फील्ड वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. शोभित कुमार श्रीवास्तव "डॉ. टैक्सओ" वनस्पतिशास्त्री ने छात्रों को पौधों की पहचान, हर्बेरियम तकनीक और औषधीय पौधों के महत्व के बारे में प्रशिक्षण दिया।कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर प्रतिमा विश्वकर्मा, डॉ. पवन कुमार मिश्रा, डॉ. के. के. सिंह, डॉ.महेश्वर, डॉ. वंदना डॉ. रूही डॉ अरुणा डॉ इग्निस फ्लोरा मिस कोपल डॉ. किरुबा डॉ. मीना पाण्डेय जैसे गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।यह कार्यशाला पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और छात्रों को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने में सफल रही।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय में हुई संपन्न, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

गोरखपुर। जिला समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक पार्टी के बेतियाहाता स्थित कार्यालय पर जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम की अध्यक्षता में हुई संचालन जिला महासचिव रामनाथ यादव ने किया जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने कहा कि 27 जनवरी से शुरू हुई पीडीए पंचायत चर्चा कार्यक्रम लगातार चल रहा है सभी विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे पीडीए पंचायत कार्यक्रम की सफलता के लिए आप सभी समाजवादी साथियों को शुभकामनाएं पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार पीडीए पंचायत कार्यक्रम अनवरत चलता रहेगा साथ ही सभी साथी वोटर लिस्ट में नाम बढ़वाने तथा गलत नाम कटवाने व संशोधित करवाने में भी जुटे रहे अनवरत चलने वाले पीडीए पंचायत कार्यक्रमों की रिपोर्ट विधानसभा क्षेत्र अध्यक्षगण व संगठन प्रभारी गण पार्टी द्वारा भेजे गए प्रारूप पर भरकर पार्टी कार्यालय को उपलब्ध करावें पीडीए पंचायत कार्यक्रम 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ अनवरत जारी रहेगा।जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों के लिए बाबा साहेब सदैव से एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने संविधान बनाकर शोषणात्मक-नकारात्मक प्रभुत्ववादी सोच पर पाबंदी लगाई थी। इसीलिए ये प्रभुत्ववादी हमेशा से बाबा साहेब के खिलाफ रहे हैं और समय-समय पर उनके अपमान के लिए तिरस्कारपूर्ण बयान देते रहे हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सपा कार्यकाल में जनता के लिए चलायी गयीं कल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों लोग लाभान्वित हुए। इसका भी प्रचार-प्रसार जनता के बीच जाकर किया जाए। भाजपा की केन्द्र व राज्य सरकारों पर निशाना साधते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि आगामी चुनाव में जनता सत्ता परिवर्तन करके समाजवादी पार्टी को एक बार फिर मौका देगी।इस दौरान प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम जिला महासचिव रामनाथ यादव डाक्टर मोहसिन खान अवधेश यादव प्रहलाद यादव नगीना प्रसाद साहनी डाक्टर संजय कुमार अमरेन्द्र निषाद रुपावती बेलदार कृष्ण कुमार त्रिपाठी संजय पहलवान मिर्जा कदीर बेग मुन्नीलाल यादव रामजतन यादव देवेंद्र भूषण निषाद गिरीश यादव राजेंद्र यादव सुरेंद्र निषाद जयप्रकाश यादव राघवेंद्र तिवारी राजू मैना भाई कबीर आलम शशिकांत दुबे एहतेशाम खान गवीश दुबे अशोक चौहान रवि यादव शिव दुबे राहुल यादव चर्चिल अधिकारी सन्तोष मौर्य हरेंद्र यादव हैरी अविनाश तिवारी श्रीराम सिंह यादव अवधनारायण यादव अनारकली मौर्य सुशीला भारती सुरेंद्र मौर्य छोटे लाल राजभर अमरजीत यादव सुनील यादव रामनिरंजन यादव जी ए लाल पासवान धर्म राज यादव मनीष यादव फूल चन्द विश्वकर्मा आनन्द राय रफीउल्लाह सलमानी जयराम यादव पप्पू यादव खरभान यादव भुपेंद्र सरकार मनोज गौतम शिवशंकर गौड़ बीएल साहनी रमाशंकर यादव मनोज गौतम गणेश प्रजापति अर्जुन यादव यशपाल विश्वकर्मा अनिल भारती साधु यादव अजय कुमार सोनकर ईश्वर चंद्र मद्धेशिया राम अजोर मौर्य मोहम्मद अली मुरारी लाल मौर्या जाहिद हुसैन फेकु चौरसिया वी डी यादव ओमप्रकाश चन्द्रभान पन्ने लाल अम्बरीष प्रकाश आदि मौजूद रहे।

यातायात व्यवस्था को सुचारु रुप से संचालित करने व सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु यातायात पुलिस टीम द्वारा चलाया गया चेकिंग अभियान

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक यातायात के नेतृत्व में यातायात व्यवस्था को सुचारु रुप से संचालित करने एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु यातायात पुलिस टीम द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया । अभियान के क्रम में काली मंदिर तिराहा से कचहरी चौराहा तक नो पार्किंग एरिया में खड़े वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाया गया, जिसमें 08 वाहनों को टो करके यातायात यार्ड लाया गया एवं 61 चार पहिया तथा 133 दो पहिया वाहनों का चालान किया गया । साथ ही शहर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 1044 वाहनों का एम०वी०एक्ट की विभिन्न धाराओ में चालान किया गया तथा शमन शुल्क 44000/- रुपये जुमार्ना वसूला गया।

बरगदवा के बजाय अब महुआतर तक नो-इण्ट्री क्षेत्र का विस्तार

बरगदवा की तरफ सड़क पर दुकानों व आबादी बढ़ने के कारण दुर्घटना की सम्भवना बढ़ने व यातायात बाधित होने के मद्देनजर दुर्घटना से बचाव तथा आमजनमानस की सुविधा के दृष्टिगत अब बरगदवा के बजाय महुआतर से बड़े वाहनों की शहर में नो-इण्ट्री समय में प्रवेश रोकने की योजना शीघ्र ही लागू होगी।

पिलियन राइडर को भी हेलमेट अनिवार्य

दिनांक10.03.2025 से मोटरसाईकिल सवार पिलियन राइडर (दो पहिया वाहन पर पीछे बैठने वाली सवारी) की चेकिंग प्रारम्भ की जायेगी। यदि चेक किये जाने वाले मोटरसाईकिल पर कोई सवारी बिना हेल्मेट की बैठी पायी जायेगी, तो उसका नो हेल्मेट में चालान किया जायेगा। इसके सन्दर्भ में एक सप्ताह तक प्रचार-प्रसार किया गया। अब प्रवर्तन की कार्यवाही की जायेगी।

हत्या का प्रयास करने के आरोप में 2 अभियुक्त गिरफ्तार

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक चिलुआताल के नेतृत्व में उ0नि0 ज्ञान चन्द्र पटेल मय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 147/25 धारा 115(2),109,126(2),127(2),352 भा0न्या0सं0 से संबंधित अभियुक्तगण 1. नबीजान व 2. सुल्तान अली को गिरफ्तार किया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । बतादें कि वादी मुकदमा द्वारा फल की दुकान लगाने के लिए ठेला लेकर जाते समय अभियुक्तगण द्वारा वादी मुकदमा को रोक कर गाली गुफ्ता देते हुए घर के अन्दर ले जाकर जान से मारने की नियत से रॉड, हंसुवा व हथौडी से सिर पर मारने के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा उपरोक्त पंजीकृत किया गया। इस मामले में नबीजान पुत्र जाबिर अली निवासी बालापार थाना चिलुआताल ,सुल्तान अली पुत्र जाबिर अली निवासी बालापार थाना चिलुआताल, दोनों अभियुक्तों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गुजरात के मुख्यमंत्री ने दी राजल नीति को शुभकामनाएं

युवा लेखक राजल की पुस्तक राजल नीति टाइम मैनेजमेंट के गुजराती संस्करण को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पत्र के माध्यम से शुभकामनाएं दी हैं जिसमे उन्होंने राजल को पुस्तक के लिए बधाई दी और पुस्तक की सफलता के लिए कामना की है। राजल नीति पुस्तकें वर्तमान में 7 भाषा हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, मराठी, गुजरती, ओड़िया और पंजाबी भाषा में उपलब्ध है। टाइम मैनेजमेंट पर राजल सबसे ज्यादा अनुवाद किये जाने वाले भारतीय लेखक हैं उन्होंने अब तक 6 पुस्तकें लिखी हैं जिनमे राजल नीति टाइम मैनेजमेंट, राजल नीति स्ट्रेस मैनेजमेंट, राजल नीति लोकव्यवहार प्रमुख हैं । इस अवसर पर राजल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के प्रति आभार व्यक्ति किया और बताया की वो जो कुछ भी हैं अपने स्वर्गीय दादाजी राधेश्याम गुप्त जी की वजह से हैं और उनकी यह सफलता उन्हें ही समर्पित है उनकी वजह से ही वो कक्षा 6 फेल और पढ़ाई छोड़ने से 9 डिग्री/सर्टिफिकेट की यात्रा तय कर पाए जिसमे एल. एल. बी, जर्नालिज्म, पी. जी. डी. बी. ए और बी लेवल जैसी 4 प्रोफेशनल डिग्रियां भी शामिल हैं साथ ही साथ उन्होंने डायमंड बुक्स के निदेशक नरेन्द्र वर्मा के मार्गदर्शन के लिए भी उनका आभार व्यक्त किया। राजल नीति पुस्तकों का विमोचन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला कर चुके हैं।

महिला दिवस पर महिला उद्यमियों के मेले का किया गया आयोजन

गोरखपुर। महिला दिवस के उपलक्ष्य में

डिजिटल सखी परियोजना द्वारा ब्लॉक गोला ,गोपालपुर में महिला उद्यमियों के मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ नगर निगम गोला की चेयर मैन लालती देवी जी द्वारा रिबन काटकर किया गया। मेले में चेयरमैन के साथ साथ ईओ,सभासद,गांव के ग्राम प्रधान,आशा ,आगनवाड़ी ,स्वास्थ्य विभाग की अधिकारी के साथ सीएचओ, तथा डिजिटल सखी परियोजना के बीस गावों की डिजिटल सखी, ब्लॉक के पीसीसी अजीत मौर्या प्रोजेक्ट मैनेजर राजीव रंजन सर भी उपस्थित रहे। डिजिटल सखी परियोजना की डिजिटल, वित्तीय साक्षरता ,महिला सहशक्तिकरण ,महिला उद्यमिता की बेमिसाल पहल है इसी के तहत महिला उद्यमी मेले का आयोजन किया गया ,जिसमे गांव की उद्यमी महिला द्वारा घर पर सामान तैयार कर बाजार से बढ़िया उत्तम गुणवत्ता वाले समान उचित मूल्य बेचा गया, जिससे ना केवल ग्रामीण महिला उद्यमियों का आत्मविश्वास बढ़ा उनकी पहचान बनेगी अपितु आर्थिक विकास भी होगा। इसके अलावा महिला दिवस के उपलक्ष्य में मेले में स्वास्थ्य कैंप भी आयोजित करवाया गया जहा ग्रामीण महिलाओं की डिजिटल सखियों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया, इसी क्रम में गांव की गर्भवती महिलाओं का सीएचओ द्वारा जच्चा बच्चा का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया, इसी उपरांत मेले का समापन किया गया।

राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और भारतीय सिनेमा का शानदार संगम ,आईफा अवॉर्ड 2025 का भव्य आयोजन

राजस्थान की विरासत संस्कृति, समृद्ध और जीवंत है। जिसमें प्राचीन किले, महल, रेगिस्तान,संग्रहालय, कला और शिल्प तथा जंगल शामिल है। आईफा अवार्ड 2025 के भव्य

आयोजन में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ,उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी एवं गोरखपुर के सांसद रवि किशन सम्मिलित हुए। जिसमें राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और भारतीय सिनेमा का शानदार संगम, कला, मनोरंजन और परंपरा का अनोखा उत्सव देखने को मिला। राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, जीवंत परंपराएं, भव्य त्यौहार ,गौरवशाली इतिहास कुछ ऐसी झलकियां हैं, जो राजस्थान में दिखाई देती हैं, यह बातें आईफा अवार्ड के आयोजन में मुख्यमंत्री राजस्थान के भजन लाल शर्मा ने बताई। इस अवसर पर गोरखपुर के सांसद रवि किशन भी शामिल हुए। उन्होंने इस शानदार आयोजन के लिए सबको शुक्रिया कहा उन्होंने बताया कि राजस्थानी संस्कृति अपने आप में काफी समृद्ध हैं। भारत के प्रमुख त्योहार होली, दीपावली, दशहरा बड़े धूमधाम से राजस्थान में भी मनाया जाता है। राजस्थानी संस्कृति त्योहारों की भूमि है। राजस्थान योद्धाओं और रेगिस्तान निवासियों की भूमि है। अरावली की आकर्षक श्रृंखला, स्मारकों,महलों,किलो के अवशेषऔर मुगल राजाओं की ऐतिहासिक विरासते बहुत सारे पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करती हैं। वास्तव में राजस्थान प्रांत अपने आप में अद्भुत है ।उक्त अवसर पर अनेक सम्मानित जन, प्रतिभाशाली कलाकार एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पत्रकार विचार गोष्ठी एवं होली मिलन समारोह अपना हक के कार्यालय पर आयोजन दिनांक 9 मार्च

गोरखपुर। अपना हक कार्यालय के प्रधान संपादक जयसिंह के कार्यालय पर पत्रकार बंधुओ की एक विचार गोष्ठी और होली मिलन समारोह का आयोजन पादरी बाजार कार्यालय पर दिनांक 09 /03/ 2025 दिन रविवार अपराह्न 1 बजे को आयोजित होगा। जिसमें समाज के क्षेत्र में अपने योगदान एवं भावी योजनाओं पर अपने विचार , परिचर्चा एवं गोष्ठी पर चर्चा होगी। भविष्य में समाज को हम लोग किस तरह दिशा निर्देशित कर सकते हैं, अपने कार्यों एवं विचारों के द्वारा समाज को किस तरह से एक सशक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए समाज को तैयार कर सकते हैं, इस पर एक आपके विचार एवं युवा पत्रकार को दिशा निर्देशन पर, एक सम्मेलन रखा गया है। होली त्यौहार हमारे सद्भाव और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने एक प्रमुख भूमिका अदा करते है। त्योहारों को किस प्रकार सादगी और शांति से मनाया जाय कि,एक स्वच्छ संदेश जाए कि एक स्वच्छ संदेश समाज में जाय।आप सभी पत्रकार भाइयों की उपस्थिति प्रार्थनिय है। इस सम्मेलन में आप उपस्थित हो, अपने विचारों को रखें। कुछ सम्मानित पत्रकारों को सम्मानित भी किया जाएगा।

गोरखपुर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर की बैठक

गोरखपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा गोरखपुर महानगर द्वारा भाजपा के गोरक्ष नगर मंडल अध्यक्ष श्री प्राण तिवारी जी का स्वागत कार्यक्रम मोर्चे के कैंप कार्यालय पर आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में मंडल के एवं महानगर के कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष का अंग वस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया सभी कार्यकर्ताओं के स्वागत से गदगद नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष श्री प्राण तिवारी ने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद व्यापित किया और कहा

कि संगठन की रीति के मुताबिक आगे का कार्य सुनिश्चित किया जाएगा मोर्चे के कार्यकताओं को पूरा सम्मान मिलेगा भारतीय जनता पार्टी के संगठन की योजना के अनुसार समय-समय पर अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकताओं की मंडल में जिम्मेदारी तय की जाएगी उन्हें यह एहसास होगा कि वह भाजपा के मजबूत कार्यकर्ता है पार्टी स्तर से पूरा सहयोग प्रदान करेंगे उन्होंने कार्यकताओं से उम्मीद जताई कि आगामी चुनाव में तथा विभिन्न कार्यक्रमें में अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्रीय संयोजक भाजपा गोरखपुर क्षेत्र श्री विपुल त्रिपाठी जी मोर्चे के पूर्व प्रदेश महामंत्री श्री इफ्तिखार हुसैन जी,मोर्चे के महानगर अध्यक्ष श्री अजमेर आलम जी उपाध्यक्ष डा०साबिर अली,अफरोज शाही जी महामंत्री शाहनवाज खान जी वार्ड अध्यक्ष श्री रमेश प्रसाद जी,डा०शकील अहमद , इसहाक अंसारी खादिम चौधरी जी,कबीर अली जी, जमील अहमद,मो०अनवर, मो०इसरफिल मो० शमीम,अखलाक अहमद,मो० आसिफ,फिरोज अहमद मो०आसिफ ,इरशाद अहमद,अनस खान कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही।

बड़े सुपरस्टार्स संग किया रोमांस, शादी के बाद एक्टिंग से लिया संन्यास, अब 21 साल बाद फिल्मों में कमबैक कर रहीं ये एक्ट्रेस

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस राम्भा, जो एक समय पर अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज करती थी, ने अचानक फिल्मों से दूरी बना ली थी। राम्भा के इंडस्ट्री से दूर जाने उनके फैंस काफी मायूस हो गए थे, लेकिन अब

उनके फैंस के लिए खुशखबरी है, क्योंकि अब वह सिनेमा की दुनिया में अपने कदम वापस रखने जा रही हैं। राम्भा अब कमबैक के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राम्भा ने 2010 में शादी के बाद सिनेमा से दूरी बना ली थी और अपनी पर्सनल लाइफ में व्यस्त हो गईं। इस शादी से उन्हें तीन बच्चे हैं और वह अब अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने लगीं, लेकिन अब वह अपने करियर को फिर से नया मोड़ देने के लिए तैयार हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने इस बारे में खुलासा किया और यह घोषणा की कि वह फिल्मों में वापसी करने जा रही हैं। राम्भा ने अपनी वापसी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, सिनेमा हमेशा से मेरा पहला प्यार रहा है। मुझे ऐसा लगता है कि अब समय आ गया है कि मैं कमबैक करूं और ऐसे रोल्स करूं जो मुझे एक एक्टर के तौर पर चैलेंजिंग लगे। मैं ऐसे रोल्स की तलाश में हूं जिनके मायने हों और जिनमें मेरी परफॉर्मेंस निखर कर आए। साथ ही, वह रोल्स ऐसे हों जिनसे मैं सीधे तौर पर अपने दर्शकों से जुड़ सकूं।राम्भा 90 के दशक की एक मशहूर एक्ट्रेस रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड के कई बड़े सुपरस्टार्स जैसे अनिल कपूर, सलमान खान और गोविंदा के साथ स्क्रीन पर रोमांस किया है। राम्भा ने बॉलीवुड में जुमार्ना, जल्लाद, घरवाली बाहरवाली, बंधन, क्रोध, बेटी नंबर 1, प्यार दिवाना होता है, क्योंकि मैं झूठ नहीं बोलता और जुड़वा जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा दिखा चुकी हैं और अब लंबे ब्रेक के बाद वह फिर से कमबैक करने के लिए उत्साहित हैं।

फेमस सिंगर डेविड जोहानसन की कैंसर से मौत, 75 की उम्र में ली अंतिम सांस

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है।पंक रॉक म्यूजिक के दिग्गज और न्यू यॉर्क डॉल्स के लीड सिंगर डेविड जोहानसन अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 75 साल की उम्र में निधन हो गया। इस खबर की पुष्टि करते हुए उनकी बेटी ने बताया कि वो पिछले कुछ समय से स्टेज 4 कैंसर

से जूझ रहे थे और अब इस दुनिया से चल बसे। डेविड जोहानसन की बेटी के मुताबिक, जोहानसन ने न्यूयॉर्क सिटी स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। बस्टर पॉइंटेक्सटर के नाम से भी मशहूर जोहानसन पिछले कुछ महीनों से कैंसर से जूझ रहे थे। उनकी बेटी ने इस बारे में पहले ही सार्वजनिक रूप से जानकारी दी थी कि उन्हें स्टेज 4 कैंसर था और इलाज के दौरान परिवार को काफी वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ा। न्यू यॉर्क डॉल्स से अलग होने के बाद, डेविड जोहानसन ने अपने संगीत सफर को नए अंदाज में जारी रखा। 1980 के दशक में, उन्होंने बस्टर पॉइंटेक्सटर के नाम से खुद को फिर से पेश किया, और उनके फेमस गीत हॉट हॉट हॉट ने उन्हें नई पहचान दिलाई। इसके बाद, उन्होंने द हैरी स्मिथ्स नामक एक बैंड भी बनाया और ब्लूज व फोक संगीत की दुनिया में कदम रखा। उनका संगीत पंक रॉक और अन्य शैलियों का एक खूबसूरत मिश्रण था, जो लोगों को एक अलग अनुभव देता था। संगीत के अलावा, डेविड जोहानसन ने फिल्म इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का जलवा दिखाया। वह बिल मरे के साथ फिल्म स्क्रूज्ड में दिखाई दिए, और रिचर्ड ड्रेफस के साथ लेट इट राइड जैसी कॉमेडी फिल्मों का हिस्सा बने। उनकी फिल्मों में उनकी भूमिका ने दर्शकों का दिल जीता और वह सिनेमा में भी एक प्रभावशाली शख्सियत बने, लेकिन अब उनके निधन से इंडस्ट्री को बड़ी क्षति हुई है।

35 के हुए टाइगर श्रॉफ, सामने आई जश्न की झलक

अभिनेता टाइगर श्रॉफ आज अपने 35वें जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेता का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपनी टीम के बीच केक काट रहे हैं। टाइगर श्रॉफ के हेयर स्टाइलिस्ट अमित यशवंत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अभिनेता केक काटते और उनकी पूरी टीम उन्हें बधाई देती नजर आई। अमित ने शेयर किए गए वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे भाई।वीडियो में टाइगर केक काटकर खुद खाते और टीम के साथ हंसी-मजाक करते कैमरे में कैद हुए। एक्शन में परफेक्ट होने के साथ ही बेहतरीन डांसर के रूप में लोकप्रिय अभिनेता टाइगर श्रॉफ के अभिनय करियर पर नजर डालें तो उन्हें साजिद नाडियाडवाला ने हीरोपंती के साथ लॉन्च किया था। फिल्म में टाइगर के साथ कृति सेनन मुख्य भूमिका में थीं। पहली फिल्म में ही उनकी डांसिंग स्किल और अभिनय को सराहा गया। फिल्म न केवल बॉक्स ऑफिस पर सफल रही बल्कि फिल्म के लिए टाइगर को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।हीरोपंती के बाद टाइगर वॉर, छोटे मियां बड़े मियां, बागी, बागी 2, बागी 3, मुन्ना माइकल, गणपत, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2, हीरोपंती 2 जैसी फिल्मों में नजर आए। टाइगर जल्द ही एक्शन से भरपूर बागी की फ्रैंचाइजी बागी 4 में नजर आएंगे। फिल्म में टाइगर के साथ संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू समेत अन्य कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे।

कियारा आडवाणी चाहती है अपने बेबी में करीना कपूर जैसी ये खूबियां, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल कियारा आडवाणी ने अपनी मेहनत और टैलेंट से इंडस्ट्री में खास जगह बनाई है। उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी की थी और अब दोनों जल्द ही पैरेंट्स बनने वाले हैं। खास बात ये है कि कियारा ने सालों पहले ही बता दिया था कि वो अपने बच्चे में करीना कपूर की कुछ खास खूबियां चाहती हैं। फिल्म गुड न्यूज में कियारा ने करीना कपूर के साथ काम किया था। इस दौरान एक प्रमोशनल इंटरव्यू में जब कियारा से पूछा गया कि वो अपने बच्चे में करीना की कौन-सी क्वालिटीज चाहेंगी, तो उन्होंने तुरंत जवाब दिया- तो जवाब में कियारा ने बोला की- करीना का कॉन्फिडेंस, एक्सप्रेशंस और उनका ऑरा। कियारा ने करीना की खूबियों की तारीफ करते हुए कहा था कि वो 10 ऑन 10 हैं और यही सब वो अपने बेबी में भी चाहती हैं। 28 फरवरी को कियारा ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर सबके साथ शेयर की थी। उन्होंने एक प्यारी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वो और सिद्धार्थ एक बच्चे के शूज हाथ में लिए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा हमारे जीवन का सबसे बड़ा गिफ्ट, जल्द आ रहा है।

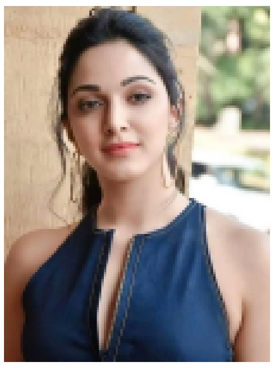

एसिडिटी से तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं ये असरदार घरेलू नुस्खे, पेट की जलन होगी दूर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम सब जल्दी-जल्दी खाना खाते हैं, बाहर का तला-भुना खाना खाते हैं और तनाव से घिरे रहते हैं। इस वजह से एसिडिटी एक आम समस्या बन चुकी है। कभी-कभी यह इतनी ज्यादा परेशान करती है कि हम तुरंत राहत पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं। लेकिन दवाइयों के साथ कई बार हमें कुछ दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। तो, क्या होगा अगर हम आपको कुछ आसान और घरेलू उपायों के बारे में बताएं, जो न सिर्फ सुरक्षित हैं, बल्कि तुरंत राहत भी देते हैं? इस लेख में हम ऐसे ही कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में बात करेंगे, जिन्हें आप बिना किसी चिंता के इस्तेमाल कर सकते हैं।

एसिडिटी के सामान्य कारण

एसिडिटी होने के कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य कारण हैं, जिनकी वजह से पेट में एसिड का लेवल बढ़ जाता है और एसिडिटी की समस्या उत्पन्न होती है। गलत तरीके से भोजन करना, ज्यादा तला-भुना या मसालेदार भोजन खाना। ज्यादा फास्ट फूड और जंक फूड खाने से पाचन प्रणाली पर बुरा असर पड़ता है। गलत लाइफस्टाइल और फिजिकल एक्टिविटी की कमी एसिडिटी का कारण बन सकती हैं।गलत समय खाने की आदतें एसिडिटी को बढ़ा सकती हैं।धूम्रपान और शराब का सेवन इन चीजों से एसिडिटी बढ़ सकती है।

एसिडिटी के सामान्य लक्षण

सीने में जलन: पेट का एसिड ऊपर की तरफ बढ़कर सीने में जलन पैदा कर सकता है।

खट्टी डकारें: खाने के बाद खट्टी डकारें आना एसिडिटी का एक सामान्य लक्षण है।

पेट में दर्द और बेचैनी: एसिडिटी के कारण पेट में दर्द और हल्की जलन हो सकती है।

उल्टी या मतली: एसिडिटी से पेट की हालत बिगड़ने पर उल्टी या मतली भी हो सकती है।

मुंह में खट्टा स्वाद: एसिडिटी के कारण मुंह में खट्टा स्वाद आ सकता है।

एसिडिटी से तुरंत राहत पाने के लिए घरेलू नुस्खे

ठंडा दूध: ठंडा दूध पेट में एसिड को बेअसर करता है और एसिडिटी से तुरंत राहत दिलाता है। इसे पीने से पेट की जलन कम होती है।

अजवाइन: अजवाइन में थाइमोल नामक यौगिक पाया जाता है, जो पाचन में मदद करता है और एसिडिटी को कम करता है। आप अजवाइन को चबाकर या पानी में उबालकर पी सकते हैं।

तुलसी: तुलसी के पत्तों में शांत करने वाले गुण होते हैं, जो पेट की जलन को कम करने में मदद करते हैं। आप तुलसी के कुछ पत्तों को चबा सकते हैं या तुलसी की चाय पी सकते हैं।

सौंफ: सौंफ पाचन क्रिया को बढ़ावा देती है और एसिडिटी को कम करती है। आप इसे चबा सकते हैं या इसे पानी में उबालकर पी सकते हैं।

जीरा: जीरा एसिडिटी को कम करने में मदद करता है और पेट में एसिड को बेअसर करता है। आप इसे चबाकर या पानी में उबालकर पी सकते हैं।

अदरक: अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट की जलन को कम करते हैं। आप अदरक को चबा सकते हैं या अदरक की चाय पी सकते हैं।

नारियल पानी: नारियल पानी पेट में एसिड को बेअसर करने में मदद करता है, क्योंकि इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं जो शरीर को ठंडा रखते हैं।

केला: केला एक प्राकृतिक एंटासिड के रूप में काम करता है। यह पेट में एसिड को बेअसर करता है और जलन को कम करता है।

दही: दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन तंत्र को संतुलित रखते हैं और एसिडिटी से राहत दिलाते हैं।

एसिडिटी से बचने के लिए सुझाव

नियमित रूप से छोटे भोजन करें: दिन में छोटे-छोटे भोजन करना एसिडिटी को रोकने में मदद करता है।

तेल और मसालेदार भोजन से बचें: तेल और मसालेदार खाने से एसिडिटी बढ़ सकती है, इसलिए इससे बचने की कोशिश करें।

फास्ट फूड और जंक फूड से बचें: इन खाद्य पदार्थों में ज्यादा तेल और मसाले होते हैं, जो एसिडिटी को बढ़ाते हैं।

तनाव कम करें: मानसिक तनाव से बचें और योग या ध्यान जैसी तकनीकों का पालन करें। धूम्रपान और शराब से बचें: धूम्रपान और शराब का सेवन पाचन को प्रभावित करता है और एसिडिटी को बढ़ाता है। पर्याप्त नींद लें: शरीर को पूरा आराम देने के लिए पर्याप्त नींद लें ताकि आपका पाचन तंत्र सही से काम कर सके।

इन उपायों को अपनाकर आप न केवल तुरंत राहत पा सकते हैं, बल्कि अपने पाचन तंत्र को भी स्वस्थ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़े तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

दूध में मिलाकर लगा ले ये एक चीज, फ्रिजी बालों को बनाएं मुलायम और शाइनी

रूखेपन, नमी और पोषण की कमी के कारण बाल अक्सर सूखे और उलझे हुए नजर आते हैं। जब बाल फ्रिजी होते हैं, तो उनकी चमक भी गायब हो जाती है। ऐसे में चाहे आप कितना भी अच्छा आउटफिट पहन लें, अगर बाल अच्छे नहीं दिखते, तो सारी खूबसूरती फीकी लगने लगती है। इस समस्या से निपटने के लिए, यहां कुछ आसान हेयर मास्क दिए गए हैं जो आपके बालों को मुलायम और शाइनी बनाये रखने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, जानिए दूध में क्या मिलाकर उसे बालों में लगाने से आपको बेहतरीन रिजल्ट मिल सकते हैं।

दूध और शहद

दूध और शहद का कॉम्बिनेशन बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए एक कटोरी में दूध लें और उसमें 1 से 1.5 चम्मच शहद डालें। फिर इस मिक्सचर को बालों पर अच्छी तरह लगाकर 20-25 मिनट तक छोड़ दें। उसके बाद धो लें। इससे बाल मुलायम और शाइनी हो जाते हैं जैसे सैलून से निकले हुए बाल।

केले का हेयर मास्क

केला बालों को बहुत अच्छा मॉइश्चर देता है और फ्रिजी बालों को सॉफ्ट बनाता है। एक पका हुआ केला लें, उसे मैश कर लें और उसमें थोड़ा ऑलिव ऑयल या नारियल तेल और थोड़ा दूध मिलाएं। इस मिश्रण को बालों में लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। ध्यान रखें कि तेल अच्छे से डालें, वरना केला बालों में चिपक सकता है।

अंडे का हेयर मास्क

अंडे से बालों को बहुत फायदा होता है, क्योंकि इसमें प्रोटीन होता है जो बालों को पोषण देता है। एक अंडा लें और उसमें थोड़ा दही मिलाएं। इस मिश्रण को बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक अच्छे से लगाएं और आधे घंटे के लिए छोड़ दें। इससे बाल मुलायम होते हैं और सूखे बालों को नमी भी मिलती है।

एलोवेरा हेयर मास्क

एलोवेरा बालों के लिए बहुत अच्छा है। ताजे एलोवेरा के गूदे या एलोवेरा जेल में शहद मिलाकर बालों में लगाएं। इससे बालों को नमी मिलती है और वो मुलायम हो जाते हैं। इस मास्क को हफ्ते में एक बार लगाकर देख सकते हैं।

नोट: ये सभी जानकारी सामान्य जानकारी के लिए है, कोई मेडिकल सलाह नहीं। ये कुछ आसान और घरेलू उपाय हैं जो आपके बालों को मुलायम और शाइनी बनाये रखने में मदद कर सकते हैं। ध्यान रखें, अगर आपको किसी चीज से एलर्जी हो तो पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

रमजान में खजूर खाकर ही क्यों खोला जाता है रोजा, हैरान कर देंगे सेहत से जुड़े 7 कारण

रमजान के पाक महीने की शुरूआत 2 फरवरी से हो चुकी है। इस्लाम धर्म के लिए

यह महीना बेहद खास होता है। कई लोग इस महीने में रोजा रखते हैं। रोजेदार सूर्योदय से सूर्यास्त तक बिना कुछ खाए-पिए रहते हैं और इफ्तार के समय रोजा खोलते हैं।इफ्तार की शुरूआत अक्सर खजूर से की जाती है। यह परंपरा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि इसके पीछे कई स्वास्थ्य से जुड़े कारण भी हैं। आइए जानते हैं कि रोजा खोलने के लिए सबसे पहले खजूर क्यों खाया जाता है और इसके क्या स्वास्थ्य लाभ हैं।

क्यों रोजा खोलने के लिए खजूर खाते हैं?

रोजे के दौरान शरीर लंबे समय तक बिना खाने और पानी के रहता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज की मात्रा कम हो जाती है। खजूर नेचुरल शुगर (फ्रुक्टोज और ग्लूकोज) का एक बेहतरीन सोर्स है, जो शरीर को तुरंत एनर्जी देता है यह शरीर के ब्लड शुगर लेवल को बैलेंस करने में मदद करता है और थकान को दूर करता है। इसके अलावा, खजूर में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को एक्टिव करता है और भूख को कंट्रोल करता है, जिससे इफ्तार के समय खाना खाने से बचा जा सकता है।

खजूर खाने के फायदे

एनर्जी का सोर्स- खजूर में नेचुरल शुगर होती है, जो शरीर को तुरंत एनर्जी देती है। यह रोजेदारों के लिए खासतौर से फायदेमंद है, क्योंकि लंबे समय तक भूखे रहने के बाद शरीर को एनर्जी की जरूरत होती है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद- खजूर में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। यह कब्ज को रोकने में मदद करता है और पेट की समस्याओं से बचाता है।

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर- खजूर में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कॉपर, मैंगनीज और विटामिन-बी6 जैसे पोषक तत्व होते हैं। ये शरीर को बेहतर तरीके से फंक्शन करने में मदद करते हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक- खजूर में मौजूद पोटैशियम दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है। यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

एंटीऑक्सीडेंट- खजूर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। यह शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद- खजूर में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव करता है।

तनाव कम करने में मददगार- खजूर में मौजूद मैग्नीशियम स्ट्रेस और एंजायटी को कम करने में मदद करता है।

संक्षिप्त सामाचार

रिटायर्ड जज के बेटे ने डॉग को कार से रौंदा,महिला ने दी तहरीर, कार्रवाई नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रिटायर्ड जज के बेटे ने कार से दो डॉग को रौंद दिया। एक डॉग की मौत हो गई। एक संस्था की ओर से तहरीर देने के 12 घंटे बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। मामला गोमती नगर का है। दो डॉग को रौंदने का सीसीटीवी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि सड़क किनारे दो डॉग सो रहे हैं। ड्राइवर उनके ऊपर जानबूझकर स्विफ्ट कार चढ़ा देता है। आसरा दी हेल्पिंग हैंड ट्रस्ट की ओर से विभूति खंड थाने में तहरीर दी गई है। संस्था कि अध्यक्ष चारु खरे का कहना है कि घटना में एक डॉग की मौत हो गई है। दूसरा बुरी तरह घायल है। इलाज चल रहा है। वाहन चालक रिटायर्ड जज का बेटा है। तहरीर देने के 12 घंटे बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। चारु खरे ने कहा अगर पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो सीएम योगी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग करेंगे। वाहन चालक ने दूसरी बार इस तरह की घटना को अंजाम दिया है।

अपना दल के बौद्धिक मंच के जिलाध्यक्ष बने रमाकांत त्रिपाठी

लखनऊ (संवाददाता)। अपना दल (एस) पार्टी ने लखनऊ जिला इकाई के बौद्धिक मंच का नया नेतृत्व चुना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की मंजूरी और प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पाल की संस्तुति पर रमाकांत त्रिपाठी को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रामाकांत त्रिपाठी ने अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों को आगे बढ़ाएंगे। साथ ही सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ मिलकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मेन इकाई के जिला अध्यक्ष हरिओम पटेल ने त्रिपाठी की नियुक्ति का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि त्रिपाठी एक कर्मठ और जुझारू व्यक्ति हैं।

घरेलू कामगार महिलाओं का विशेष सम्मान

लखनऊ (संवाददाता)। गोमती नगर स्थित रेल विहार कॉलोनी में द ग्रेट शक्तिस्वरूपा उत्सव के चैथे संस्करण के तहत घरेलू कामगार महिलाओं का सम्मान किया गया। नव अंशिका श्रमदेवी शक्ति सम्मान समारोह में श्रमजीवी महिलाओं को साड़ी भेंट की गई। साथ ही उनका सामूहिक जन्मदिन भी मनाया गया।कार्यक्रम में संस्था की उपाध्यक्ष नीरा लोहानी, अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी मंजू बिष्ट समेत कई गणमान्य अतिथि शामिल हुईं। इस सम्मान समारोह में संगीत, भजन और डीजे पर डांस का आयोजन भी किया गया। संस्था की अध्यक्ष नीशू त्यागी ने महिला माह की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 8 मार्च को महिला दिवस पर नारी एक रूप अनेक थीम पर प्रतियोगिताएं होंगी। 15 मार्च को होली पर रंगोली और वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 22 मार्च को यूपी की सशक्त बेटियों को श्नव अंशिका तेजस्वनी सम्मान और 29 मार्च को महिलाओं को नव अंशिका सर्वश्री सम्मान से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक दबीर सिद्दिकी ने बताया कि नव अंशिका फाउंडेशन महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने इस दिन के महत्व को बताते हुए कहा महिला दिवस का इतिहास 1908 से जुड़ा है, जब न्यूयॉर्क में महिलाओं ने समान अधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किया। यह दिन महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक योगदान को मान्यता देने के रूप में मनाया जाता है।

यूपी में गांव-गांव चलेंगी रोडवेज बस, 1540 नए रूटों फर्राटा भरेंगी तीन हजार बसें

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी गवर्नमेंट ने 28 हजार गांवों को रोडवेज बस सेवाओं से जोड़ने केलिए परिवहन निगम को निर्देश दिए हैं। 1540 नए रूट निर्धारित हुए है। इन रूटों पर महाकुंभ से खाली हुईं बसें चलाई जायेंगी।कार्ययोजना तैयार की जाएगी। राज्य परिवहन निगम के अधिकारियों के मुताबिक प्रयागराज महाकुंभ के लिए आईं तीन हजार नई बसों को इन नए मार्गों पर संचालित किया जाएगा। फिर भी जो गांव बच जाएंगे, उन्हें मुख्यमंत्री ग्राम जोड़ो योजना के तहत बस सेवा से जोड़ा जाएगा। प्रदेश सरकार ने 6,638 नई बसें खरीदी हैं। इसमें तीन हजार बसें महाकुंभ के लिए खरीदी गई थीं, जो अब खाली हो गई हैं। उन्हें नए रूटों पर चलाया जाएगा। गांवों को रोडवेज सेवा से जोड़ने का प्लान तैयार है।

यूपी में 10 गाय पालने पर 10 लाख रुपए देगी सरकार

यूपी सरकार का कदमः 2000 करोड़ का प्रावधान

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने गाय पालन को बढ़ावा देने के लिए नई पहल शुरू की है, जिसे श्अमृत धारा योजना के नाम से जाना जा रहा है। इसके तहत सरकार गाय पालन करने वालों को कई तरह की सुविधाएं और वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। छुट्टा गोवंश के संरक्षण और गाय पालन को बढ़ावा देने के लिए इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देना है।उत्तर प्रदेश सरकार ने बजट में छुट्टा गोवंश के संरक्षण के लिए 2000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह राशि न केवल गोवंश के संरक्षण के लिए बल्कि गाय पालन को भी एक प्रोत्साहन देने का काम करेगी। सरकार की यह पहल गाय पालन को एक लाभकारी व्यवसाय बनाने का लक्ष्य रखती है और किसानों को वित्तीय मदद प्रदान करती है। अमृत धारा योजना में सरकार ने विशेष रूप से गाय पालन को बढ़ावा देने के लिए एक आकर्षक वित्तीय मदद का प्रस्ताव रखा है।अगर कोई व्यक्ति 10 गाय पालन करता है तो उसे 10 लाख रुपए तक का ऋण प्राप्त हो सकता है।

टैक्स चोरी पकड़ी 5.64 लाख करोड़ की और सरकार को मिले केवल 1.40 लाख करोड़

कामकाज पर उठ रही उंगलियां

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी की सेंट्रल जीएसटी टीमों की छापेमारी की संख्या और टैक्स चोरी के खुलासों ने विभाग का कामकाज कटघरे में खड़ा हो गया है। विभाग के मुताबिक जीएसटी लागू होने के बाद 5.64 लाख करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी गई लेकिन सरकार को सिर्फ 1.40 लाख करोड़ मिले। सुप्रीम कोर्ट में पेश रिपोर्ट में छापों के आंकड़ों से विभाग के साथ कारोबारियों के बीच हलचल है। स्टेट जीएसटी की तुलना में सेंट्रल जीएसटी के छापों से कारोबारी ज्यादा भयभीत रहते हैं। वजह गिरफ्तारी का अधिकार है। जीएसटी छापों में गिरफ्तारी को लेकर पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने कारोबारियों को बड़ी राहत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी फर्मों और जीएसटी छापों का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था। एक जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद मार्च 2024 तक के आंकड़े हैरान करने वाले हैं। जुलाई 2017-18 में सीजीएसटी ने 1,216 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी थी। 191 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। 394 करोड़ रुपये की रिकवरी हुई

और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। 2018-19 में छापों की संख्या 424 से बढ़कर 7,365 पहुंच गई।

टैक्स चोरी की रकम भी तीस गुना बढ़कर 37,916 करोड़ हो गई लेकिन विभाग ने 19,216 करोड़ रुपये जमा कराने में सफलता पाई। 191 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इस वर्ष सबसे ज्यादा 460 गिरफ्तारियां की गईं। 2021-22 में भी छापे 12,500 मारे गए लेकिन टैक्स चोरी का खुलासा 73 हजार करोड़ रुपये पार कर गया। इसका एक तिहाई करीब 25 हजार करोड़ रुपये जमा कराए गए और 342 लोगों को जेल भेजा गया। 223 लोगों को गिरफ्तार किया गया। 2022-23 में छापे बढ़कर 15,500 हो गए और पहली बार टैक्स चोरी का आंकड़ा 1.31 लाख करोड़ को भी पार कर गया लेकिन सरकार को सिर्फ 33 हजार करोड़ रुपये ही मिले।

190 लोगों को जेल भेजा गया। 2023-24 में 20 हजार छापे मारे गये। इस वर्ष टैक्स चोरी बढ़कर 2.30 लाख करोड़ रुपये हो गई, बावजूद इसके सरकारी खजाने में 31 हजार करोड़ रुपये ही आए। 223 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

भूतनाथ मार्केट की सड़कों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाने की मांग को लेकर विधायक से मिले व्यापारी

लखनऊ (संवाददाता)। भूतनाथ मार्केट से कई बार अतिक्रमण हटाए जाने के बावजूद चला कर अतिक्रमण हटाया जा चुका है किंतु स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से एवं

पुनः पुलिस एवं स्थानीय नगर निगम के कर्मचारियों के सहयोग से सड़कों पर दबंगों द्वारा अस्थाई अतिक्रमण करके सड़कों पर कब्जा करने की समस्या से त्रस्त व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल भूतनाथ आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष कमल अग्रवाल के नेतृत्व में पूर्वी क्षेत्र के विधायक ओपी श्रीवास्तव से मिला प्रतिधिमंडल में शामिल उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के लखनऊ इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ श्रीवास्तव, भूतनाथ आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष कमल अग्रवाल, महामंत्री मनोज अग्रवाल ने क्षेत्रीय विधायक से दबंगों द्वारा भूतनाथ मार्केट की सड़कों पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत की प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय विधायक ओ पी श्रीवास्तव को जानकारी देते हुए बताया कि अनेकों बार नगर निगम द्वारा अभियान नगर निगम के कर्मचारियों के सहयोग से अभियान समाप्त होने के तुरंत बाद ही पुनः दबंगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया जाता है जबकि यह नियम है कि एक बार अतिक्रमण हटाने के बाद स्थानीय पुलिस की जिम्मेदारी है कि पुनः अतिक्रमण न होने पाए इसके अतिरिक्त भूतनाथ के व्यापारियों ने विधायक को भूतनाथ मार्केट में जल भराव की समस्या से भी अवगत कराया पूर्वी क्षेत्र के विधायक ओ पी श्रीवास्तव ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए पुलिस एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को व्यापारियों की समस्याओ का समाधान करने के निर्देश दिए, प्रतिनिधिमंडल में व्यापारी नेता अमिताभ श्रीवास्तव ,कमल अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, सुमित सिंह, प्रमोद बंसल, दिनेश शर्मा मोहम्मद उबेद आदि शामिल थे।

होली के बाद होगा योगी कैबिनेट का विस्तार!

➲ शामिल हो सकते कुछ नए चेहरे, संगठन में भी होना है बदलाव

➲ रालोद कोटे से आ सकता है कोई जाट चेहरा

लखनऊ (संवाददाता)। बीजेपी के लिए मार्च बेहद महत्वपूर्ण है। पार्टी संगठन से लेकर सरकार स्तर पर बड़े बदलाव की तैयारी है। संगठन और सरकार दोनों में चेहरे बदलेंगे। यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी है। यह बदलाव होली के बाद होगा। टीम योगी में करीब आधा दर्जन नये सदस्य शामिल हो सकते हैं। जल्द नया प्रदेश अध्यक्ष भी पार्टी को मिल जाएगा। संगठन और सरकार में बदलाव मिशन-2027 को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। पार्टी का फोकस जातीय और क्षेत्रीय गणित साधने पर है। भ्रष्टाचार की शिकायतें एक दो मंत्रियों को महंगी पड़ सकती हैं। होली के बाद मंत्रिमंडल विस्तार होना है। भाजपा के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चैधरी को फिर मंत्रिमंडल में लाया जा सकता है। मंत्रिमंडल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की भागीदारी बढ़नी है। पार्टी का फोकस क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने पर है। संगठन से दो चेहरों को सरकार में भेजा जा सकता है। किसी ऐसे चेहरे को भी मंत्री बनाया जा सकता है, जो अभी किसी सदन का सदस्य न हो। ऐसे व्यक्ति को जितिन प्रसाद के सांसद बनने के बाद से रिक्त विधान परिषद सीट पर सदन में भेजा जा सकता है।संभावना है कि मंत्रिमंडल में रालोद की हिस्सेदारी बढ़ेगी। एक मंत्री पद और मिल सकता है। जयंत चैधरी किसी जाट चेहरे को जिम्मेदारी दे सकते हैं।

घर में घुसकर युवक ने किशोरी से किया घिनौना कांड

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी

लखनऊ से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने नाबालिग लड़की के घर में घुसकर रेपकांड को अंजाम देने का प्रयास किया। इस दौरान लड़की के माता-पिता ने देख लिया तो आरोपी मकान की पिछली दीवार से फांदकर मौके से भाग गया। वहीं माता-पिता के डर से पीड़ित किशोरी ने घर में खुद को आग लगा ली। पीड़िता का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पूरा मामला मलिहाबाद थाना क्षेत्र का है। यहां ये दिल दहलाने वाली घटना उस समय हुई जब एक 23 साल के युवक राहुल ने नाबालिग लड़की के घर में घुसकर उसके साथ जबरस्ती करने का प्रयास किया। उसी बीच लड़की के परिजनों ने उसे देख लिया तो तुरंत आरोपी राहुल मौके से भाग निकला।

इस घटना के बाद किशोरी काफी डर गई। परिजनों के डर से उसने खुद को आग के हवाले कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। किशोरी के माता-पिता आनन-फानन में उसे सिविल अस्पताल हजरतगंज लेकर पहुंचे। जहां उसका इलाज चल रहा है।

maha kumbh water fit for bathing,says new cpcb report,cites variability in data

NEW DELHI: The Central Pollution Control Board in its new report has

said that water quality in the recently concluded Maha Kumbh was "fit for bathing". This comes after the board had termed water in Prayagraj at several locations during Kumbh unfit for bathing due to high faecal bacteria levels. In the new report dated February 28, the pollution control board said that a statistical analysis was required due to inconsistencies in the data, as water samples taken from the same locations on different datesâ•"and from different spots on the same dayâ•"varied significantly. As a result, the findings did not accurately represent the overall water quality across the entire river stretch. "There is a significant variability in the values on various parameters, viz pH, dissolved oxygen (DO), biochemical oxygen demand (BOD) and fecal coliform count (FC) for the samples taken from the same location on different dates. The values of the afore-mentioned parameters also vary at different locations for the samples collected on the same day," the report said. How 'variability in data' affected the water quality report? The report clarified that an expert committee analyzed the issue of data variability and concluded that the findings represent only a snapshot of water quality at a specific location and time. It highlighted that water quality can fluctuate significantly due to various factors, including human activities upstream, flow rate, sampling depth, time of collection, river currents, mixing of currents, and the exact sampling location, among other influences. "As a result, these values reflect water quality parameters at the exact time and place from where these water samples were collected, and may not fully represent the overall characteristics of the river, therefore, not necessarily reflecting the overall river water quality throughout the river stretch," it said. What did the previous report say? The previous report, submitted on February 17, said that water quality at several locations in Prayagraj during Kumbh did not meet primary bathing standards due to high faecal coliform levels. "A large number of people bathe in the river at Prayagraj during the Maha Kumbh Mela, including on auspicious bathing days, which eventually leads to an increase in faecal concentration," the report had said, adding "The river water quality was not conforming to the primary water quality for bathing with respect to faecal coliform at all the monitored locations on various occasions." "Questions are being raised about the quality of the water (at Triveni). All the pipes and the drains in and around Sangam have been taped and the water is being released only after purification. The UP Pollution Control Board is continuously monitoring the water to maintain its quality," he had said. "The reasons for increased faecal coliform can be several, such as sewage leakage and animal waste, but the amount of faecal coliform in Prayagraj is, as per the standards, less than 2,500 MPN per 100 ml. This means that the false campaign is only to defame the Maha Kumbh. The NGT has also said that the faecal waste was less than 2000 MPN per 100 ml," he added

Ensure TN doesnT lose seat

DMK gears up for parliament session, seeks allies to oppose delimitation

NEW DELHI: DMK MPs on Sunday passed a

resolution to take up delimitation and "Hindi-imposition" issue in the House in the upcoming session of parliament scheduled to resume on Monday. After a meeting held under Tamil Nadu chief minister and party president MK Stalin, the parliamentarians said that the population based excercise will affect not just the southern states but also others including Odisha and West Bengal. In the resolution the party vowed to take efforts to garner support from political parties from Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala, Telangana, Odisha, West Bengal and Punjab-- all states that stand to lose LS seats post-delimitation and make them a part of the struggle against the Centre in this issue. "This meeting resolves to support CM Stalin in all his efforts in this issue and take it up in the Parliament and ensure Tamil Nadu does not lose a single Lok Sabha seat," the resolution read. This comes amid the ongoing rift between Tamil Nadu chief minister and Centre over delimitation and New Education Policy. Stalin expressed concern about the potential reduction in Parliamentary seats, attributing it to the state's successful implementation of family planning initiatives. Stalin had also suggested newly married couples to start families quickly to ensure adequate political representation post-delimitation. He acknowledged the state's successful family planning initiatives but expressed worry about their current implications. He also advised the couples to proper Tamil names for their future children. Delimitation, a constitutional process in India, involves redrawing parliamentary and assembly constituencies to ensure equal population representation across electoral districts. This process determines how many representatives each state gets in Parliament based on population size. The process is guided by specific constitutional provisions under Articles 82 and 170 of the Indian Constitution. Article 82 mandates that Parliament must enact a Delimitation Act after each national census to redefine Lok Sabha constituency boundaries and numbers. Article 170 establishes guidelines for State legislative assembly delimitation, determining seat allocation based on population data.

pm modi checks on vip dhankar at aiims, wishes him speedy recovery

NEW DELHI: Prime Minister Narendra Modi visited Vice President Jagdeep Dhankhar on Sunday after he was

admitted to AIIMS following complaints of uneasiness and chest pain. Earlier, Union Health Minister and BJP chief JP Nadda also visited AIIMS to check on Vice President Dhankhar's condition. Dhankhar was taken to the hospital around 2am and admitted to the Critical Care Unit (CCU) under the supervision of Dr. Rajiv Narang, Head of Cardiology at AIIMS. The Vice President is stable and under observation, with a team of doctors closely monitoring his condition, news agency PTI reported, citing sources.

International Women's Day Special (Lipstick Gun for Safety of Women)

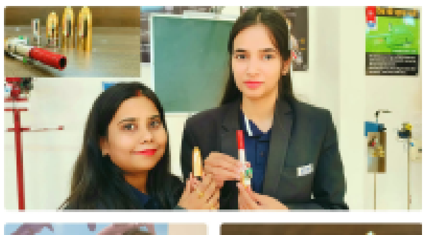

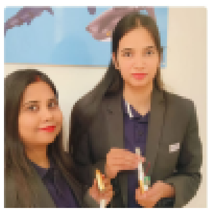

On the occasion of international women's day ITM GIDA Gorakhpur students have developed a unique lipstick gun for safety of women. This special device can recognize the voice of a women in case of a emergency and can send an immediate call and location to the police and family. ITM GIDA director Dr. N.K Singh praised this innovation and said that today women are progressing in every field and this lipstick gun can prove to be an important step in the field of women's safety.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद-गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला-द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद-गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :

शक्ति शंकर

मो नं.

7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।